

ये तीर नजर हे या कातिल निगाहे

ये तीर नजर है या कातिल निगाहे,
बनता है जिसके भी दिल को निशाना,
उसे याद रहता नहीं ये जमाना,

तुम्हारी तदप का दर्द यो सहा है,
उसी ने दीवानों को हस कर कहा है,
बनता है जिसके भी दिल में ठिकाना,
उसे याद रहता नहीं ये जमाना

जरा पूछो उन्हीं से जो है भुक्त भोगी,
कोई हुआ पागल कोई हुआ जोगी,
सुनता है मुरली से जिसको तराना,
उसे याद रहता नहीं ये जमाना,

आज का नहीं है खेल है पुराना,
दीवानों के दिल पे ये जादू चलना,
दिखता है जिसको भी दर्शन सुहाना,
उसे याद रहता नहीं ये जमाना,

छन छना रही है प्रेम पत पे पायल,
बेधड़क लोगो को किया इसने घ्याल,
इसे और इसके खेलो को जाना,
उसे याद रहता नहीं ये जमाना,

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/3009/title/ye-teer-najar-he-ya-katil-nigahen-banta-hai-jiske-bhi-dil-ko-nishana>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |